सुबह 11 बजे ही 60 लाख से ज्यादा लोगों ने कर लिया पवित्र स्नान

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। महाशिवरात्रि के महास्नान पर बुधवार को त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान के लिए आस्था का महासागर उमड़ पड़ा। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व पर करोड़ों श्रद्धालु देर रात से ही पुण्य की कामना के साथ संगम की रेत पर एकत्रित होने लगे। सुबह 08 बजे ही 60 लाख से ज्यादा लोगों ने पवित्र स्नान कर लिया। हर-हर गंगे, बम बम भोले और जय श्री राम के गगनभेदी उद्घोष से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। सीएम योगी के विशेष निर्देश पर सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम रहे कि परिंदा भी पर न मार सके। यहां डीआईजी वैभव कृष्ण और एसएसपी राजेश द्विवेदी खुद मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।

श्रद्धालुओं के साथ साधु-संत, महामंडलेश्वर और देश-विदेश से आए भक्त संगम में पवित्र डुबकी लगाते नजर आए। इसके साथ ही सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पवित्र स्नान के लिए अद्भुत और दिव्य महाकुम्भ की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाया गया। यातायात पूरी तरह सुचारू रहा और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। स्नान के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य करते दिखे। महाशिवरात्रि पर अंतिम पवित्र स्नान के दौरान इस ऐतिहासिक क्षण को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करने के लिए श्रद्धालुओं की उत्सुकता विशेष रही। हर व्यक्ति इस दिव्य अनुभूति को अपने कैमरे में सुरक्षित करने के लिए उत्साहित नजर आया। लोग स्नान के दौरान और स्नान के बाद सेल्फी से लेकर ग्रुप फोटोज लेते नजर आए। वहीं, तीर्थराज प्रयागराज में इन अद्भुत क्षणों को देश विदेश में बैठे अपने परिजनों को लाइव दिखाने की भी होड़ लगी रही।

योगी ने किया रूद्राभिषेक

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आज रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोक मंगल और राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की। रुद्राभिषेक गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर आवास में स्थित शक्ति मंदिर में हुआ। रुद्राभिषेक के उपरांत मुख्यमंत्री ने हवन कर गोरक्षपीठ में शिवोपासना का अनुष्ठान पूर्ण किया। महाशिवरात्रि पर विशेष उपासना के क्रम में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री ने शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का गोदुग्ध से (शेष पृष्ठ-6 पर)

लॉरेंस गैंग का शूटर जीतू मुठभेड़ में ढेर

गाजियाबाद में हत्या के बाद चल रहा था फरार

मेरठ/ नोएडा (चेतना मंच)। यूपी STF की नोएडा यूनिट और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लॉरेंस विश्नोई गैंग का शार्पशूटर और 1 लाख का इनामी बदमाश देर रात मुठभेड़ में मारा गया। हरियाणा के झज्जर जिले का रहने वाला बदमाश हत्या के मामले में फरार था और उसने गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में 2023 में हत्या की थी। मारा गया बदमाश जेल से पैरोल मिलने के बाद पैरोल जम्प करके फरार चल रहा था।

STF नोएडा और मेरठ पुलिस ने देर रात मेरठ के मुंडाली थाना क्षेत्र में 1 लाख के इनामी बदमाश को मार गिराया है। मुठभेड़ में मारे गए बदमाश की पहचान जीतू उर्फ जितेंद्र निवासी आसौंदा सिवान थाना आसौदा जिला झज्जर हरियाणा के रूप में हुई है। जितेन्द्र को वर्ष-2016 में झज्जर में हुए डबल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा हुई थी। 2023 में पैरोल पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था। जेल में सजा के दौरान जीतू लॉरेंस विश्नोई गैंग के संपर्क में आकर अपराध करने लगा और गैंग का शॉर्प शूटर बन गया। फरारी के दौरान जीतू ने गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में 2023 में सुपारी लेकर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या के बाद से ही वह फरार था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। STF ने जानकारी दी कि मुठभेड़ के दौरान जीतू उर्फ जितेंद्र ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई। कार्रवाई में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मौके से पुलिस ने कई हथियार बरामद किए हैं।

पत्नी के हत्यारे की जेल में मौत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद जनपद की डासना जेल में एक कैदी के सीने में दर्द होने पर मौत हो गई। बताया गया कि सांस लेने में परेशानी होने पर डासना जेल से संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया था।

सीएमएस डॉ. संजय कुमार गुप्ता के अनुसार, जेल वार्डन ओमपाल सिंह द्वारा कैदी इरशाद को इमरजेंसी में रात दो बजे भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान ढाई बजे उसकी मौत हो गई। जेल अधिकारियों के अनुसार, इरशाद अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में कई माह से जेल में बंद था।

भाड़े के हत्यारे को पुलिस ने किया लंगड़ा

21 फरवरी को ग्रेटर नोएडा में की थी हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना इकोटेक-3 में बीते 21 फरवरी को हुई हत्या में गोली चलाने वाले शूटर को पुलिस ने मुठभेड़ मे दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोली लगने से शूटर घायल हो गया। बता दें कि प्रेम विवाह करने वाले मंजीत मिश्रा की उसके ससुरालियों ने सुपारी देकर हत्या करा दी थी। इसमामले में एक शूटर पहले ही पकड़ा जा चुका है। नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा 130 मीटर रोड पर चैकिंग की जा रही थी। तभी सूचना मिली कि 21 फरवरी को डी पार्क कट के पास एक मोटर साईकिल पर सवार 02 अज्ञात अभियुक्तो द्वारा मंजीत मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हत्या में शामिल एक शूटर 130 मीटर रोड पर सैनी सुनपुरा कट के पास खडा है। सूचना पर थाना इकोटेक-3 पुलिस जैसे ही 130 मीटर रोड पर सैनी सुनपुरा कट के पास पंहुची तो वहाँ पर एक लडका खडा दिखाई दिया। पुलिस को अपनी ओर आता देख उक्त लडके ने जान से मारने की नियत से पुलिस पर फायर किया। पुलिस पार्टी द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में लडके के पैर में गोली लगी जिससे वह घायल हो गया जिसकी पहचान प्रिन्स उर्फ बन्टी पुत्र बलराज निवासी (शेष पृष्ठ-6 पर)

ॐ नमः शिवाय के जयघोष से गूंज उठे शिवालय

मंदिरों में पूजा-अर्चना व जलाभिषेक के लिए लगी कतारें

नोएडा (चेतना मंच)। आज महाशिवरात्रि के अवसर पर नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के सभी शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की लम्बी-लम्बी कतारें देखी गईं। महिलाओं, बच्चों, युवाओं तथा बुजुर्गों ने लाइन लगाकर शिवालयों में जलाभिषेक किया तथा पूजा-अर्चना की।

आज सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-2 के लाल बाबा मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर, सेक्टर-33 इस्कॉन मंदिर, सेक्टर-50 के शिव मंदिर, सेक्टर-31 निठारी शिव मंदिर, सेक्टर-12 के कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-62 रजत विहार के मंदिर, (शेष पृष्ठ-6 पर)

जारचा में कुत्तों व बंदर का आतंक

कई बच्चों पर हो चुके हमले, प्रशासन से लगाई गुहार

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम जारचा में बंदर और कुत्तों का आतंक बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। अब तक 10 बच्चे इन जानवरों के हमले का शिकार हो चुके हैं। जिससे गांव में भय का माहौल व्याप्त है। (शेष पृष्ठ-6 पर)

अतीत की कला

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है। इसके साथ उच्च न्यायालय द्वारा केस सूचियों के व्यवस्थित पुनर्गठन से भी यातायात संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अदालत परिसर में दैनिक उपस्थिति को कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा दीवार को दूसरी जगह बनवाने और फिर पेड़ लगाने का वायदा पारिस्थितिकीय तंत्र के अपरिवर्तनीय नुकसान की भरपाई नहीं करता है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध पेड़ों की विरासत पहले ही अपनी आभा खोती जा रही है। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को हटाना इसके पारिस्थितिकीय संतुलन के मद्देनजर एक आत्मघाती कदम ही हो सकता है। निस्संदेह, अदालतों को न्याय का संरक्षक माना जाता है। यदि वे सार्वजनिक विरासत और पर्यावरण की रक्षा नहीं करेंगी तो कौन करेगा? प्रगति के नाम पर अतार्किक नियोजन घातक साबित हो सकता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि प्रभु ने छल से उस स्त्री का व्रत भंग कर देवताओं का काम किया। जब उस स्त्री ने यह भेद जाना, तब उसने क्रोध करके भगवान को शाप दिया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तासु श्राप हरि दीन्ह प्रमाना। कौतुकनिधि कृपाल भगवाना॥
तहाँ जलंधर रावन भयऊ। रन हति राम परम पद दयऊ॥

लीलाओं के भंडार कृपालु हरि ने उस स्त्री के शाप को प्रामाण्य दिया (स्वीकार किया)। वही जलन्धर उस कल्प में रावण हुआ, जिसे श्री रामचन्द्रजी ने युद्ध में मारकर परमपद दिया॥

एक जनम कर कारन एहा। जेहि लगि राम धरी नरदेहा॥
प्रति अवतार कथा प्रभु केरी। सुनु मुनि बरनी कबिन्ह घनेरी॥

एक जन्म का कारण यह था, जिससे श्री रामचन्द्रजी ने मनुष्य देह धारण किया। हे भरद्वाज मुनि! सुनो, प्रभु के प्रत्येक अवतार की कथा का कवियों ने नाना प्रकार से वर्णन किया है॥

नारद श्राप दीन्ह एक बारा। कलप एक तेहि लगि अवतारा॥
गिरिजा चकित भई सुनि बानी। नारद बिष्नुभगत पुनि ग्यानी॥

एक बार नारदजी ने शाप दिया, अत: एक कल्प में उसके लिए अवतार हुआ। यह बात सुनकर पार्वतीजी बड़ी चकित हुईं (और बोलीं कि) नारदजी तो विष्णु भक्त और ज्ञानी हैं॥

(क्रमश:...)

औपचारिक और बेहतर कर्ज से किसानों की बढ़ती उत्पादकता

साल 2025-26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी-फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे।

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है।

शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है।

महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। साफ है कि किसानों को अगर सही तरीके से औपचारिक कर्ज सही वक्त पर दीर्घकालिक अवधि के लिए मिले तो उसकी जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर दीर्घकालिक और औपचारिक कर्ज मिलता है तो उसकी खेती को जरूरतों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। इससे उसकी उत्पादकता बढ़ने की गुंजाइश बढ़ जाती है। किसान की उपज बढ़ जाती है, फसल तैयार भी हो जाती है, लेकिन उसे बेचने के लिए सही बाजार तक पहुंच के लिए रकम नहीं होती तो उसे अपनी फसल और उपज औने-पौने दामों में बेचनी पड़ती है। लेकिन अगर किसान को सही तरीके से औपचारिक कर्ज मिलता है तो उस पर तात्कालिक आर्थिक दबाव नहीं रहता और फ़सल के बाद के खर्चों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। अगर किसानों के पास कुछ पैसे रहते हैं तो उस पर घरेलू जरूरतों का दबाव नहीं झेलना पड़ता और उसे अपने घरेलू खर्चों को पूरा करने में जहां सहायता मिलती है, वहीं इसके लिए उसे अपनी उपज

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है।

सेंतमेत में बेचने को मजबूर नहीं होना पड़ता। इस कर्ज से किसान अपने कृषि उपकरणों और दूसरी अवसंरचनाओं को आसानी से रखरखाव कर सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय बद्ध और सहूलियत भरे अधिक कर्ज के जरिए किसानों को पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित और सहयोगी कामों को आगे बढ़ाने में मदद होती है। इस पूरी प्रक्रिया का असर यह होता है कि किसान की आर्थिक सुरक्षा मज़बूत हो जाती है। तब वह बाजार और अपने उपज की वाजिब कीमत का इंतजार भी कर सकता है। आर्थिक सहूलियत रहने से समय पर वह जरूरी खाद और दवाओं को खरीदकर उनका खेती में इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही वह दूसरे खर्चों का दबाव भी नहीं महसूस कर सकता है।

बीती 31 जनवरी को को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। इनके जरिए किसानों को 9.81 लाख करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। यह रिपोर्ट भी कहती है कि छोटे और सीमांत किसानों को लाभ देने के चलते खेती की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश के 5.9 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट योजना का फायदा उठा रहे हैं। किसानों की उत्पादकता बढ़ाने को ही ध्यान में रखते हुए बैंकों को स्पष्ट निर्देश है कि अपने कर्ज का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा कृषि और छोटे किसानों को दें। इसके जरिए कोशिश की जा रही है कि छोटे और सीमांत किसानों को आसानी से औपचारिक कर्ज तो मिल ही सके, उन्हें महंगी दर पर अवशोषक अंदाज में मिलने वाली निजी कर्ज राशि पर निर्भरता ना रहे। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अब साहूकार जैसे गैर-बैंकिंग कर्जदाताओं पर किसानों की निर्भरता घटकर 1950 के 90 फीसद की तुलना में 2022 में सिर्फ 25 फीसद रह गई। साफ है कि अब ज्यादातर किसान बैंक और संस्थागत स्रोतों से कर्ज ले रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक ताकत और उत्पादकता बढ़ रही है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2014-15 से 2024-25 तक कृषि क्षेत्र के कर्ज में 12.98 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई है। इसी सर्वेक्षण के मुताबिक, साल 2014-15 में जहां किसानों को 8.45 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया था, वहीं 2023-24 में यह रकम बढ़कर 25.48 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके अनुसार, छोटे और सीमांत किसानों को मिलने वाले कर्ज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साल 2014-15 में छोटे किसानों को जहां 3.46 लाख करोड़ रुपये मिले थे, वह 2023-24 में बढ़कर 14.39 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकार का मानना है कि छोटे किसानों को बैंकों से ज्यादा कर्ज मिल रहा है और इससे वे अपनी खेती तो सुधार रहे ही हैं, अपनी आर्थिक स्थिति भी बेहतर कर रहे हैं। बहरहाल कृषि पर निगाह रखने वाले स्वतंत्र विचारक भी मानते हैं कि किसानों के लिए अल्पकालिक की तुलना में दीर्घकालिक ऋण अधिक प्रभावी है। इसीलिए जानकार मानते हैं कि मौजूदा जलवायु परिवर्तन से आसन्न संकट के दौर में किसानों को मौसम के साथ अनुकूलन और उस लिहाज से अपनी खेती को ढालने के लिए ऐसी कृषि केंद्रित वित्त योजनाओं की जरूरत ज्यादा है। हालांकि इसका एक दूसरा पहलू भी है। कुछ लोगों का मानना है कि किसान कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। बजट पर चर्चा के दौरान संसद में राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल का यह कहना कि बकाया कृषि कर्ज की रकम अब 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह रकम 18.74 करोड़ से अधिक किसानों पर बोझ बन गई है। इसलिए सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

- उमेश चतुर्वेदी

बैलों पर राजस्थान की पहल का स्वागत हो

राजस्थान सरकार की ओर से एक अच्छा फैसला आया है। सरकार बैलों से खेती करने वालों को 30 हजार रुपए वार्षिक सहायता देगी। यह निर्णय कृषि अर्थव्यवस्था की भारतीय समझ रखने वालों को समझ में आएगा। मशीनों से खेती करने वालों को तो अनेक प्रोत्साहन सबसिडी के रूप में दिए जाते हैं। मशीनों से लेकर मशीनों के ईंधन तक लगातार उनको सहायता दी जाती है। हिमाचल में पॉवर टिलर को 50 फीसदी तक सबसिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यानी पूरे काल तक जब तक वह मशीन काम करेगी उसे विदेश मुद्रा के द्वारा लाए गए ईंधन को उपलब्ध करवाना होगा। वैसे तो पूरे भारतवर्ष में ही जो जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, उनके लिए आत्मनिर्भर होने का मार्ग बैलों से खेती के माध्यम से ही निकल सकता है। किन्तु पहाड़ी क्षेत्रों में तो यह और भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि यहां की 80 फीसदी जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, कुछ तो एक एकड़ से भी छोटी हैं। इनको लाभदायक बनाना खासी चुनौती का काम है। पॉवर टिलर से जुताई का एक बीघा के लिए 2 हजार रुपए तक लिया जा रहा है। ऊपर से धुआं और शोर अलग से भेंट स्वरूप मिल रहा है।

हर किसान अपना पॉवर टिलर ले भी नहीं सकता। और ले भी ले तो दो दिन के बाद सारा सीजन खाली पड़ा रहेगा। दूसरे, पहाड़ी खेती को आम तौर पर ही ज्यादा गोबर खाद की जरूरत रहती है क्योंकि भारी बरसात और ढलानदार जमीनों से हर साल खाद बह कर नीचे चली जाती है, जबकि हम जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं जिसके लिए गोबर की खाद और भी ज्यादा जरूरी हो गई है, जिसके अभाव में यह पहल भी सफल होना कठिन हो जाएगी। खेती देश में घाटे का सौदा होती जा रही है। इसी के चलते लोग खेती को छोड़ कर अन्य व्यवसायों की ओर मुड़ते जा रहे हैं। खेती लाभदायक तब तक नहीं हो सकती जब तक खेती को आत्मनिर्भर बनाने की ओर काम नहीं किया जाता। खेती के लिए हमें अपने संसाधनों से ही काम चलाना सीखना होगा, जिससे कृषि व्यवसाय का पैसा कृषि व्यवसाय में ही घूमता रहे। मिसाल के लिए बैल से खेती करेंगे तो बैल किसान ही पैदा करेगा। किसान जब बैल खरीदेगा तो पैसा दूसरे किसान के पास ही जाएगा। एक किसान का व्यय दूसरे किसान की आमदनी बनेगा।

और पैसा आपस में ही घूमता रहेगा, जिससे आत्मनिर्भरता बनती जाएगी। आज मैं बैल खरीद रहा हूं, कल मैं बेच रहा हूंगा। जैविक खेती के लिए घर का खाद बिना बैंक के कर्ज के उपलब्ध

होगा। जबकि मशीनी खेती में ज्यादा से ज्यादा निवेशित वस्तुएं बाहरी क्षेत्रों उद्योग आदि से आएंगी, जिससे उद्योग तो बढ़ेगा, किन्तु खेती की कमाई उसी में चुक जाएगी। घाटे की खेती का दुश्चक्र इसी तरह आत्मनिर्भरता की ओर प्रस्थान से तोड़ा जा सकता है। यह ठीक है कि बड़ी जोत वाले किसानों के लिए यह कठिन है, किन्तु छोटी जोत वाले किसान दृढ़संकल्प करके एक बार इसे अपना लें तो धीरे-धीरे किसानी आत्मनिर्भर होगी और कर्ज से मुक्ति होने का रास्ता भी बनेगा जिसके कारण ही ज्यादातर आत्महत्याएं कृषि क्षेत्र में हो रही हैं। अपना बीज, अपना बैल, अपनी खाद, यही किसान का नारा होना चाहिए। जब तक यह तरीका कृषक अपना रहे थे तब तक कहीं भी किसान को आत्महत्या की जरूरत ही नहीं थी। यही अब अपनाना होगा, किन्तु थोड़े वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जिससे फसलों की उपज भी कम न हो। हिमाचल का उदाहरण लें तो यहां 9.97 लाख कुल जोतों में से 7.12 लाख जोतें एक हेक्टेयर से कम हैं। उन सभी को बैलों पर सबसिडी देकर बैल से खेती के लिए प्रोत्साहित करना होगा। जिससे पेट्रोल, डीजल पर खर्च विदेशी मुद्रा भी घटेगी और किसान बैंक कर्जों से भी बचेगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 13.57 फीसदी है, जबकि खेती से 58.37 फीसदी रोजगार पैदा हो रहे हैं। इसलिए खेती के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। न्याय का भी यही तकाजा है कि बैल से खेती करने वाले को मशीन से खेती करने वाले के बराबर ही अधिमान दिया जाए।

हालांकि बैल से खेती को यदि थोड़ा अधिक भी सहयोग दिया जाए तब भी उससे देश पर ज्यादा बोझा नहीं पड़ेगा क्योंकि बैल से खेती करने के कारण पैसा देश में ही रहेगा और किसान के हाथ में ही किसान द्वारा खर्च किया गया रुपया पहुंचेगा। यह काम खेती और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के ही हित में है, इसलिए सरकारों को राजस्थान सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए किसान हित में स्वावलंबी कृषि व्यवस्था खड़ी करने की दिशा में आगे बढने के लिए पूरी वैज्ञानिक समझ के साथ कार्य शुरू करना चाहिए। इस दिशा में सफलता के लिए बैल चालित मशीनों का अपना महत्व है। इसलिए पहाड़ी और मैदानी इलाकों की अलग अलग जरूरतों के अनुसार कृषि उपकरणों के निर्माण का कार्य भी साथ-साथ शुरू करना होगा। कृषि विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग विभाग इस दिशा में कार्य करें और यह साबित करें कि उनके लिए बैल से खेती करने वाला किसान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि मशीन से खेती करने वाला है। इससे किसान भी खुशहाल होगा और देश पर विदेशी मुद्रा के लिए ऋण का बोझ भी कम होगा। यही छोटे किसान की समृद्धि का मार्ग है। बैल से खेतीबाड़ी उत्तम है।

-कुलभूषण उपमन्यु
पर्यावरणविद

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान बहुत अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। बस मानहानि के संकेत हैं। थोड़ा बचके पार करिएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बचके पार करिएगा। कोई रिस्क मत लीजिएगा। परेशानी वाला समय है। स्वास्थ्य पे ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ संपन्न होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावनाओं को काबू में रखें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं का संकेत है। बच्चों की सेहत को लेकर के मन परेशान रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम, संतान का साथ है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन में बढ़ोतरी लेकिन निवेश करेंगे तो घाटा भी लगेगा। प्रेम, संतान में सुधार। व्यापार भी अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जीवन में आगे बढ़ेंगे। जरूर के हिसाब से वस्तुएं जीवन में रहेंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे।

'सरस आजीविका मेला' का हुआ विधिवत शुभारंभ

नहीं पहुंचे केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दो राज्यमंत्री ने किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहयोग से आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 का विधिवत उद्घाटन किया गया। वर्चुअली माध्यम से जुडे केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समारोह को संबोधित किया।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि यहां आकर यह मेला एक मेला ही नहीं बल्कि एक आंदोलन लग रहा है। ऐसे आयोजनों से आज महिला सिर्फ कामगार नहीं बल्कि काम देने वाली बन रही हैं। भारत की आर्थिक प्रगति की नेता हैं।

ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि सरस मेलों का यह 5वां संस्करण है, जिसमें 225 स्टॉल तथा एक हजार से अधिक उत्पादों की वैरायटी है। सरस मेला आज ब्रांड बन गया है, जो हमारी दीदियों को आत्मनिर्भर बना रहा है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने कहा कि आज मेले को हम एक अलग स्वरूप में देख पा रहे हैं, जिसकी हमें अपार खुशी है। प्रधानमंत्री जी ने लखपति दीदी नाम का आह्वान किया था। मंत्रालय ने तभी लक्ष्य को निर्धारित करने का ठाना है।

जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि आज मेले का 5वां दिन है। हमें खुशी है यह मेला पिछली बार से दोगुनी उपलब्धि हांसिल करेगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले की किसी भी व्यवस्था में न तो कोई चूक है और न ही आगे भी होगी।

इस अवसर पर यहां मंत्रालय के सचिव शैलेष कुमार सिंह, अपर सचिव टी के अनिल कुमार, उप महानिदेशक गया प्रसाद, निदेशक मोली श्री, निदेशक राजेश्वरी, अवर सचिव आलोक जवाहर, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश प्रसाद उपस्थित थे।

107 पात्रों को सांसद ने बांटी मोटरयुक्त ट्राईसाइकिल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पावर फाईनेस लिमिटेड की सीएसआर योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल वितरण शिविर का आयोजन सामुदायिक भवन कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी बिसरख गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें नोएडा के गौतमबुद्धनगर के विभिन्न स्थानों के एलिम्को भारत सरकार के उपक्रम द्वारा पूर्व चिन्हित 107 लाभार्थियों को लगभग 722 लाख की लागत से 107 सहायक उपकरण चिन्हित किया गया था।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. महेश शर्मा सांसद (लोकसभा) गौतमबुद्धनगर उ.प्र. पूर्व राज्य मन्त्री पर्यटन एवं सस्कृति (स्वतंत्र प्रभार) नागरिक उड्यन वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजनों के लिए जो भी सहयोग, रोजगार में भी वरियता दी गयी है कि इनका जीवन भी आम जन मानस की तरह व्यतीत करें।

इस वितरण शिविर में पूर्व चिन्हित दिव्यागजनों को एलिम्को द्वारा दिव्यागजनो को मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल वितरित किये गये। इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अतिथिगण उपस्थिति रहें। आज दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से उनका जीवन सरल एवं जीवन शैली में सुधार होगा कार्यक्रम के उपरान्त लाभार्थी दिव्यागजनों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर अली शाह कार्यकारी निदेशक पीएफसी दुर्गेश रंगेरा, महाप्रबंधक पीएफसी, संजय बाली सांसद प्रतिनिधि, दीपक यादव, जैनेन्द्र चौरसिया, मुकेश चौहान मण्डल अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में पंजीकरण के लिए एलिम्को द्वारा जिला नोएडा के गौतमबुद्धनगर आस पास के विभिन्न स्थानों में परीक्षण शिविर आयोजित किये गये थे।

मुकाबला सुरों का आयोजन 1 मार्च को

नोएडा (चेतना मंच)। शिवरात्रि के पावन पर्व पर, हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है

कि मुकाबला सुरों का 2025 का शुभारम्भ शनिवार, 1 मार्च 2025 को सुबह 10 बजे से AAFT, फ़िल्म सिटी नोएडा के परिसर में होगा।

इस आयोजन में, हमारे प्रतिभागी अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और हमारे निर्णायक मंडल द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

जैसा कि हमारे आयोजकों के मन में विचार है – दुनिया में लोगों को परिणाम से मतलब होता है, आपके प्रयास से नहीं और विडम्बना यह है कि हमारे हाथ में सिर्फ प्रयास होता है, परिणाम नहीं।

लेकिन हम जानते है कि अच्छा गायन मंज़िल पर अवश्य ले जाता है। उसको प्रदर्शन करने का हर अवसर आपका भाग्य बदल सकता है। इन्हीं मुकाबलों ने सोनू निगम, सुनिधि चौहान,कुमार सानू जैसे गायकों को मुक़ाम दिया है। तो आइए, हमारे साथ इस संगीतमय आयोजन में शामिल हों और मुकाबला सुरों का 2025 का हिस्सा बनें।

आरडब्ल्यूए किसान कोटा के चुनाव 16 मार्च को

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-112 में आरडब्ल्यूए किसान कोटे के चुनाव 6 वर्ष बाद 16 मार्च को होंगे। इस मौके पर सेक्टरवासी काफी खुश हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार ने RWA किसान कोटा सेक्टर-112 नोएडा को कालातीत करते हुए 26 सितंबर 2024 को तहसीलदार दादरी को चुनाव अधिकारी नियुक्त करते हुए एक महीने के अंदर RWA के चुनाव कराने के आदेश दिए थे. 3 महीने बीत जाने के बाद भी चुनाव नहीं हुए हैं

जिसको लेकर पिछले सप्ताह सभी सेक्टरवासी डिप्टी रजिस्ट्रार से मिले थे। मीटिंग में मुख्य रूप से विकास चौधरी, अमोल सिंह, राहुल शर्मा, महेश सिंह तोमर, प्रवीण अग्निहोत्री,संजय शर्मा, दिव्यम पवार, चिराग दत्ता, जितेंद्र मिगलानी, प्रभुनाथ विश्वकर्मा व अन्य सेक्टर निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। निवेदन किया कि मौजूदा चुनाव अधिकारी चुनाव प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं ना ही मतदाता सूची को बनाने पर कोई भी काम किया गया है. प्रार्थना पत्र के आधार पर डिप्टी रजिस्ट्रार ने कार्रवाई करते हुए 7 जनवरी 2025 को नया आदेश किया जिसमें मौजूदा चुनाव अधिकारी को हटाकर ,जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी को नया चुनाव अधिकारी नामित किया। अब 16 मार्च को चुनाव होंगे। चुनाव की पूरी प्रकिया घोषित कर दी गई है।

अर्जुन ने रिकॉर्ड बनाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के रहने वाले अर्जुन सारस्वत ने 13 वर्ष की आयु में कौशल और गति का आश्चर्यजनक प्रदर्शन करते हुए, जेनेसिस पब्लिक स्कूल की तरफ से एक मैच के दौरान केवल 29 गेंदों में 100रन बनाएं। जिसमें 11 छकके और 9 चैके मार कर यह रिकॉर्ड तोड पारी खेली। यह मैच जेनेसिस पब्लिक स्कूल टै आईसीसीएफ एकेडमी के बीच हुआ।अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ अर्जुन की आक्रामक और सटीक हिटिंग ने क्रिकेट जगत को सदमे में डाल दिया है। उन्होंने अविश्वसनीय सहजता से गेंदों का सामना किया और उल्लेखनीय निरंतरता के साथ छक्के और चैके लगाए। वह पावर-हिटिंग और सटीकता एवं सूझ बूझ के साथ।

नोएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा-201301, (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.noidaauthorityonline.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

UPLC लखनऊ में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से निम्न जॉब संख्याओं हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की वेबसाईट www.noidaauthorityonline.in एवं UPLC की वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईट देखते रहें।

(क)
1. **25/महा.प्र.(वि./यॉं.)/वरि.प्र.-(वि./यॉं.-4)/2024-25,** सैक्टर-163, 165, 166, 167, 168 एवं सम्बन्धित ग्रामों की 30 मीटर/16 मीटर हाईमास्टों के अनुरक्षण का कार्य। **लागत – रु. 20.46 लाख।**
2. **26/महा.प्र.(वि./यॉं.)/वरि.प्र.-(वि./यॉं.-4)/2024-25,** गऊशाला सैक्टर-135 में 62.5 केवीए क्षमता का डीजी सैट लगाने का कार्य। **लागत – रु. 17.39 लाख।**

जिन्हें दिनांक 12.03.2025 को सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 17.03.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।

(ख)
1. **23/महा.प्र.(वि./यॉं.)/वरि.प्र.-(वि./यॉं.-4)/2024-25,** नौएडा एक्सप्रेस वे पर सैक्टर-14ए से ग्रेटर नौएडा बोर्डर तक 30 मीटर/16 मीटर हाईमास्टों के अनुरक्षण का कार्य। **लागत – रु. 28.38 लाख।**

जिन्हें दिनांक 06.03.2025 को सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 07.03.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।

महाप्रबंधक (वि./यॉं.)
नौएडा

कार्यालय : सैक्टर-5, नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

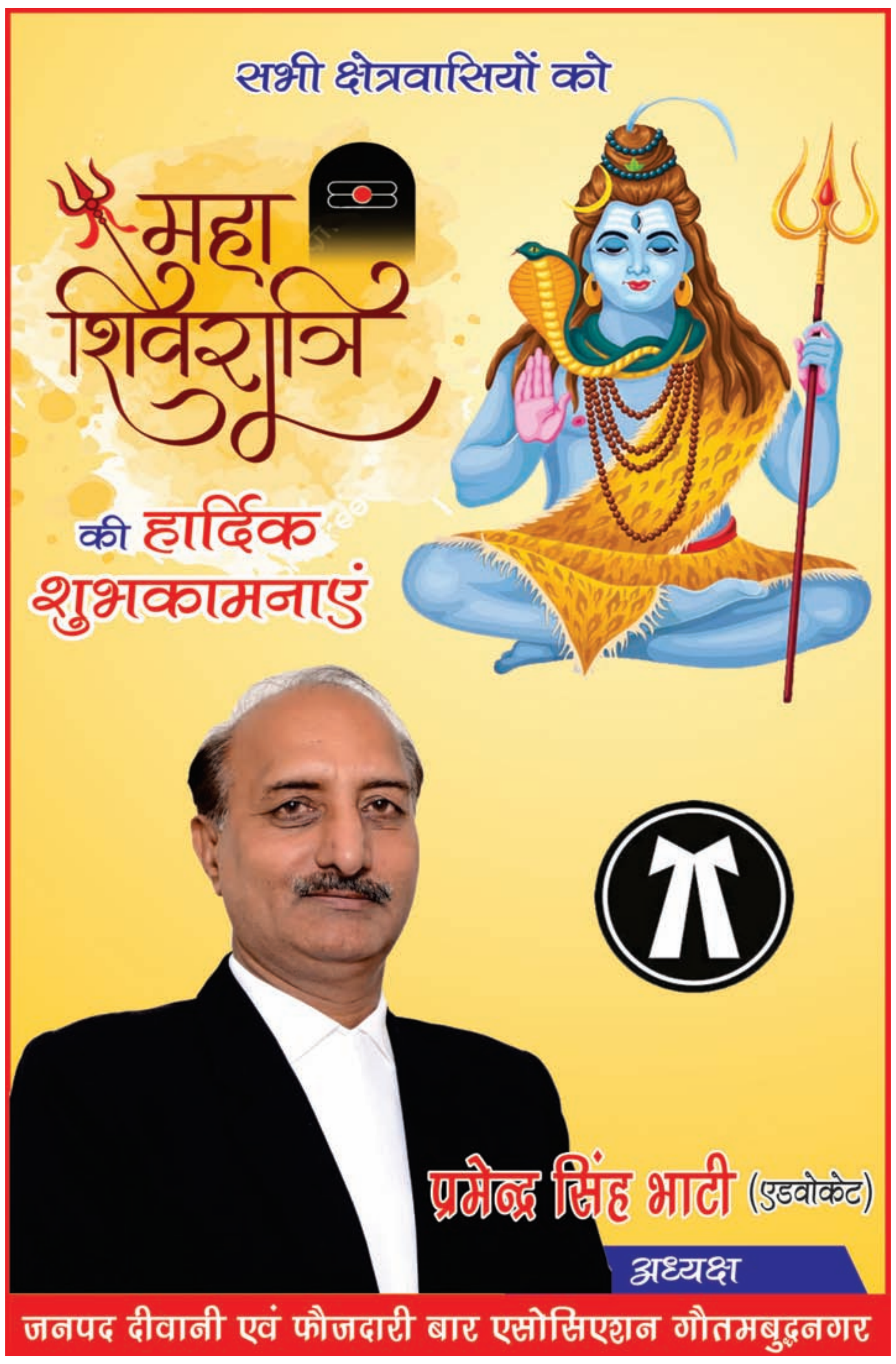

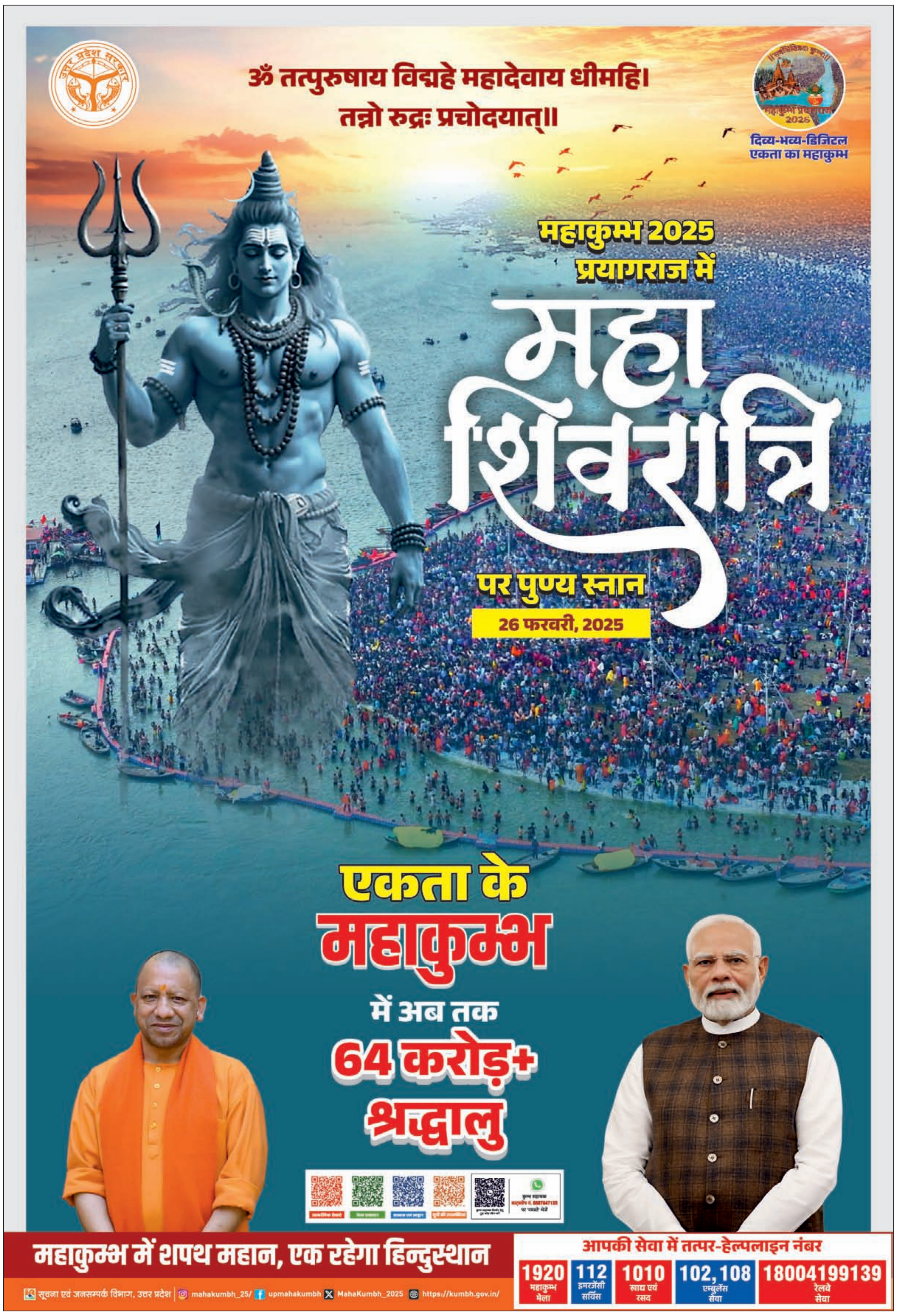

संगम तट पर फलीभूत हुआ एकता का महाकुम्भ

महाकुम्भ नगर (एजेंसी) । महाकुम्भ के अंतिम अमृत स्नान पर्व महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर प्रयागराज में करोड़ों सनातनी श्रद्धालुओं का समुद्र उमड़ पड़ा। न 'ब्राह्मण,' न 'वैश्य,' न 'क्षत्रिय,' न 'शूद्र', सिर्फ सनातन धर्म की शाश्वत सुंदरता और एकता का प्रतीक बनकर संगम तट पर यह पवित्र स्नान संपन्न हुआ। सुबह के धुंधलके से लेकर दिन चढ़ते तक, गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत के बीच, यह दृश्य सनातन संस्कृति की जीवंतता को दर्शाता रहा। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के लिए किए गए कड़े इंतजामों के बीच यह महाकुम्भ महज धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन समाज की एकजुटता और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बन गया। महाशिवरात्रि का यह स्नान कुम्भ के समापन का एक ऐतिहासिक क्षण रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ 2025 न केवल एक धार्मिक आयोजन बन गया, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता और सनातन संस्कृति के संकल्प का प्रतीक भी बन गया है। पीएम मोदी और सीएम योगी ने इसे 'एकता का महाकुम्भ' करार देते हुए देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का संदेश दिया था। संगम तट पर लाखों श्रद्धालुओं का समागम इस संकल्प की जीवंत तस्वीर पेश कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां इस महाकुम्भ को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए दिन-रात प्रयास किए, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मार्गदर्शन से इसे वैश्विक पटल पर पहचान दिलाई। सीएम योगी ने महाकुम्भ को लेकर कहा था कि यह आयोजन जाति, पंथ और वर्ग के भेदभाव को मिटाकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करता है। लाखों श्रद्धालुओं ने एकजुट होकर यह सिद्ध कर दिखाया कि एकता ही हमारी असली पहचान है। महाशिवरात्रि के पवित्र अवसर पर अंतिम स्नान के साथ महाकुम्भ का समापन हुआ, लेकिन इसका संदेश विश्व भर में गूंज रहा है। योगी और मोदी के संकल्प से प्रेरित यह महाकुम्भ न सिर्फ आध्यात्मिक शक्ति का प्रदर्शन है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक ताकत को भी रेखांकित कर रहा है।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ-2025 में आज महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। आज महाकुंभ में अंतिम स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ में संगम के तट पर आस्था, धर्म व भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। महाकुंभ में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने छोटे बच्चों को लेकर भी पहुंचे और कंधे पर बैठा कर कई किलोमीटर तक पैदल चले।

महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, महादेव के जयकारों से गूंजी महाकुम्भ नगरी

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर योगी सरकार ने संगम स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए उन पर हेलीकॉप्टर के जरिए पुष्पवर्षा कराई। पिछले सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर सरकार फूलों की वर्षा करा चुकी है। इसी क्रम में बुधवार को महाशिवरात्रि पर भी इस परम्परा का पालन करते हुए 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पवर्षा कराई गई। इसकी शुरुआत सुबह 8 बजे से ही हो गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम के विभिन्न तटों पर स्नान कर रहे थे। आसमान से गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम, हर हर महादेव, गंगा मइया और तीर्थराज के जयकारे लगाए। अपनी धार्मिक आस्था को सम्मान दिए जाने पर श्रद्धालुओं ने योगी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की। महाशिवरात्रि का स्नान पर्व दिव्य-भव्य महाकुम्भ-2025 का अंतिम महत्वपूर्ण स्नान है। मंगलवार-बुधवार की रात से ही संगम तट पर

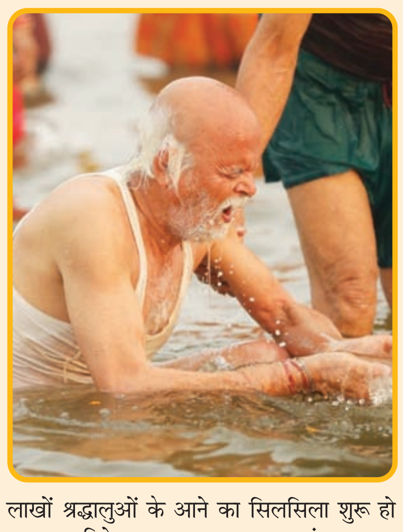

लाखों श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। उपनिदेशक उद्यान, प्रयागराज मंडल कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी

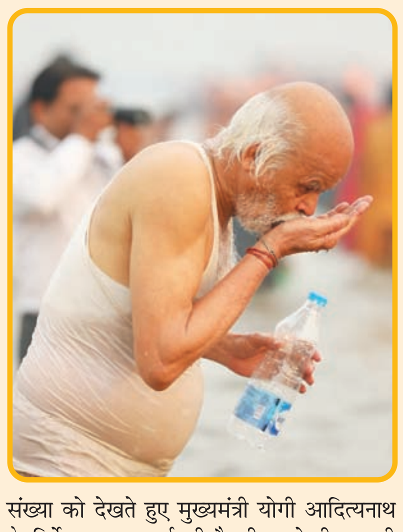

संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुष्पवर्षा की तैयारी पहले ही कर ली गई थी।

प्रीति जिंटा ने लगाई आस्था की डुबकी

हम आध्यात्मिक अनुभव वाले मनुष्य नहीं हैं बल्कि आध्यात्मिक प्राणी हैं जो मानवीय अनुभव कर रहे है : प्रीति जिंटा

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत आज आखिरी स्नान पर्व पर प्रीति जिंटा ने भावुक कर देने वाला आध्यात्मिक पोस्ट किया। सोशल मीडिया पर उनकी यह पोस्ट कुछ दिन पहले हुई तीर्थराज प्रयागराज की यात्रा से जुड़ी रही जिसमें अध्यात्मिक अनुभूतियों का समावेश रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से प्रयागराज महाकुम्भ में अपनी यात्रा से जुड़ा हुआ एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी आध्यात्मिक अनुभूति के बारे में विस्तार से लिखा। प्रयागराज महाकुम्भ को लेकर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कुंभ मेले में यह मेरा तीसरा मौका था और यह जादुई, दिल को छूने वाला तथा थोड़ा दुखद था। जादुई इसलिए क्योंकि मैं प्रीति जिंटा ने लगाई ...

चाहे जितनी भी कोशिश कर लूं, मैं यह नहीं बता सकता कि मुझे कैसा महसूस हुआ। दिल को छूने वाला इसलिए क्योंकि मैं अपनी मां के साथ गयी थी और यह उनके लिए दुनिया से बढ़कर था। दुखद इसलिए क्योंकि मैं जीवन और मृत्यु के विभिन्न चक्रों से मुक्त होना चाहती थी, लेकिन मुझे जीवन और आसक्ति के द्वंद्व का अहसास हुआ।

प्रीति जिंटा ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कि क्या मैं अपने परिवार, अपने बच्चों और अपने प्रियजनों को छोड़ने के लिए तैयार हूं? नहीं! मैं तैयार नहीं हूं! यह बहुत ही भावुक और विनम्र करने वाला होता है जब आपको यह अहसास होता है कि आसक्ति के तार मजबूत और शक्तिशाली हैं और चाहे आपकी आसक्ति कुछ भी हो, आखिरकार आपकी आध्यात्मिक यात्रा और आगे की यात्रा अकेले ही होगी! मैं इस धारणा के साथ वापस आयी कि हम आध्यात्मिक अनुभव वाले मनुष्य नहीं हैं बल्कि आध्यात्मिक प्राणी हैं जो मानवीय अनुभव कर रहे हैं। इसके आगे मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे विश्वास है, मेरी जिज्ञासा निश्चित रूप से उन सभी उत्तरों की ओर मार्ग प्रशस्त करेगी जिनकी मुझे तलाश है... तब तक, हर हर महादेव।

महाशिवरात्रि : क्यों करते हैं भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा

महाशिवरात्रि का त्योहार हिंदू धर्म के लोगों के लिए बेहद खास होता है. इस दिन भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ लोग व्रत भी रखते हैं. ये त्योहार शिवजी और माता पार्वती को समर्पित होता है और इस दिन उनकी पूजा की जाती है. महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव के भक्तों के लिए बेहद खास होता है. हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाता है. महाशिवरात्रि मासिक शिवरात्रि से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है. इसे सबसे बड़ी शिवरात्रि भी कहा जाता है. इस त्योहार को पूरे देश में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन लोग व्रत भी रखते हैं. इस साल महाशिवरात्रि 8 मार्च को पड़ रही है. ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर महाशिवरात्रि क्यों मनाते हैं और इसे मनाने के पीछे क्या पौराणिक कथा है.

महाशिवरात्रि का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव और पार्वती विवाह संपन्न हुआ था. यह त्योहार उनकी वैवाहिक वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है. शादीशुदा व्यक्तियों के लिए महाशिवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है. कुछ लोग महाशिवरात्रि को भगवान शिव की शादी की सालगिरह के रूप में मनाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इस दिन शिव ने अपने सभी शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी. कुछ लोगों का मानना है कि इस दिन भगवान शिव और शक्ति का मिलन हुआ था. वहीं कुछ कथाओं में यह उल्लेख है कि फाल्गुन मास की चतुर्दशी को शिव दिव्य ज्योर्तिलिंग के रूप में प्रकट हुए थे. यहां जानें महाशिवरात्रि से जुड़ी कुछ पौराणिक कथाओं के बारे में..

महाशिवरात्रि की पौराणिक कथा

शिव पुराण के अनुसार, एक बार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्माजी और विष्णुजी के बीच श्रेष्ठता को लेकर विवाद हो गया. इस विवाद के दौरान एक अग्नि स्तंभ प्रकट हुआ और आकाशवाणी हुई कि जो भी इस स्तंभ के आदि और अंत को जान लेगा, वही ही श्रेष्ठ कहा जाएगा. ब्रह्मा और जगत के पालनहार विष्णु, दोनों ने युगों तक इस स्तंभ के आदि और अंत को जानने की कोशिश की, लेकिन वे इसे नहीं जान सके. तब भगवान विष्णु और ब्रह्मा ने अपनी हार स्वीकार करते हुए अग्नि स्तंभ से रहस्य बताने की विनती की.

तब भगवान शिव ने कहा कि श्रेष्ठ तो आप दोनों ही हैं, लेकिन मैं आदि और अंत से परे हूं. इसके बाद विष्णु भगवान और ब्रह्मा जी ने उस अग्नि स्तंभ की पूजा अर्चना की और वो स्तंभ एक दिव्य ज्योतिर्लिंग में बदल गया. जिस दिन ये घटना घटी, उस दिन फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि थी. तब शिव ने कहा कि इस दिन जो भी व्यक्ति मेरा व्रत व पूजन करेगा, उसके सभी कष्ट दूर होंगे और सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी. तब से इस दिन को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाने लगा.

महाशिवरात्रि की दूसरी कथा

एक और पौराणिक कथा के अनुसार कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन ही शिव जी द्वादश ज्योतिर्लिंग के रूप में संसार में प्रकट हुए थे. ये 12 ज्योतिर्लिंग हैं- सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, केदारनाथ ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, रामेश्वर ज्योतिर्लिंग और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग हैं. इन 12 ज्योतिर्लिंगों के प्रकट होने के उत्सव के रूप में भी महाशिवरात्रि मनाई जाती है और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा की जाती है.

प्रेग्नेंसी में महिलाएं डाइट में शामिल करें ये 3 दालें

बच्चा भी रहेगा दुरुस्त

प्रेग्नेंसी का समय महिलाओं के लिए चुनौतियों भरा हो सकता है. इस खास समय के दौरान न सिर्फ उन्हें अपना बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे का भी ख्याल रखना पड़ता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स हमेशा सलाह देते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने खान-पान का ध्यान रखने की सलाह देते हैं. सही डाइट लेने से प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं हेल्थ प्रॉब्लम्स बच सकती हैं. प्रेग्नेसी में महिलाएं अपनी डाइट में जो भी खाती हैं, उसका पोषण गर्भ में पल रहे है बच्चे को भी मिलता है. महिलाएं अपनी डाइट में फल और सब्जियों के साथ-साथ दालों को भी शामिल कर सकती हैं. इससे उनको प्रोटीन समेत तमाम तरह के पोषक तत्व मिलते हैं. यहां हम आपको प्रेग्नेंसी में दालें खाने के फायदों के बारे में बताएंगे.

मूंग की दाल :- दालों में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है. मूंग की दाल सबसे फायदेमंद दाल मानी जाती है. प्रेग्नेंसी में अगर कोई महिला इसे खाती है तो उनकी हेल्थ को लाभ पहुंचा सकती है. खास बात ये है कि इसमें फैट कम मात्रा में पाई जाती है. लेकिन फाइबर और दूसरे पोषक तत्व काफी मात्रा में होते हैं. इसे खाने से कब्ज की समस्याएं दूर होती हैं.

मसूर की दाल :- मसूर की दाल भी प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं. मसूर की दाल में आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है. शरीर में आयरन की कमी हो तो एनीमिया हो सकता है. प्रेग्नेंसी में मसूर की दाल खाने से खून की कमी नहीं होती है. इसलिए मसूर की दाल को डाइट में शामिल करें.

अरहर की दाल :- गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चें को हेल्दी रखने के लिए अपनी डाइट में अरहर की दाल को शामिल करें. अरहर की दाल में फोलेट भरपूर मात्रा में पाया जाता है. ये जरूरी पोषक तत्वों में गिना जाता है. अपनी प्रेग्नेंसी को हेल्दी बनाए रखने के लिए उसमें अरहर की दाल को शामिल करें. महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए. दालों को अगर सही मात्रा में डाइट में शामिल किया जाए, तो ये हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती हैं.

ऑफिस लुक में लगना है स्टाइलिश?

तो जरूर कैरी करें ये 5 तरह के एक्सेसरीज

ऑफिस में वर्क परफॉर्मेंस के साथ ही खुद को रिप्रेजेंट करने का तरीका बहुत जरूरी होता है.हमारे लुक और पर्सनैलिटी का इसमें बहुत बड़ा हाथ होता है.ऐसे में ऑफिस जाते कपड़े और एक्सेसरीज का सिलेक्शन सही से करना चाहिए.इसके लिए इस तरह की एक्सेसरीज ऑफिस लुक में जरूर कैरी करें.

वैसे तो बैंगल्स भी ऑफिस पहन कर जा सकती हैं. लेकिन वॉच एक बेहतर ऑप्शन हैं. जिससे आपको प्रोफेशनल लुक मिलेगा. वॉच को आप एथनिक से लेकर वेस्टर्न वियर जैसे पैंट सूट के साथ आसानी से वियर कर सकती हैं. ये आपके ऑफिस लुक के कंप्लीट करेगा.

जब बात एक्सेसरीज की होती है. तब महिलाएं इयररिंग्स तो जरूर वियर करती हैं. ऐसे में ऑफिस जाते समय डायमंड, स्टोन, पर्ल जैसे स्टड या फिर गोल्ड के इयररिंग्स पहन सकती हैं. ये आपके ऑफिस लुक के लिए बेस्ट रहेंगे.

हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए लड़कियां नेल एक्सटेंशन करती हैं. इसी के साथ ही फिंगर रिंग यानी की अंगूठी बहुत पहनती हैं. आप ऑफिस के मुताबिक सिंपल और क्लासी फिंगर रिंग वियर कर सकती हैं. जिससे आपके हाथ भी खूबसूरत लगें.

फॉर्मल लुक के लिए हैंडबैग बहुत सोच समझकर चुनना चाहिए. ऐसे जो आपके लुक के साथ मैच करें साथ ही अट्रैक्टिव लगे. आजकल कई तरह के हैंडबैग से लेकर स्लिंग बैग ट्रेंड में हैं. जो आपके ऑफिस लुक के साथ बेहतरीन लगेंगे.

अगर आप ऑफिस लुक में सूट, साड़ी या फिर कुर्ती जैसे एथनिक आउटफिट वियर करना चाहती हैं. तो सिंपल और क्लासी आउटफिट चुनें. इसके साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी बहुत अच्छी लगेगी. जैसे कि आप सूट और शॉर्ट कुर्ती के साथ झुमके पहन सकती हैं।

तेजी-से टेक्नॉलॉजी अपनाती हैं भारतीय महिलाएं

भारत में, फ़ाइनैंशियल सर्विसेस का ऐक्सेस करने में महिलाओं को पारंपरिक रूप से बाधाओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन ऐसा लगता है कि पिछले कुछ बरसों में यह बदल रहा है। अपने हालिया सर्वेक्षण "हाउ इंडिया बॉरोज़ 2023" में, होम क्रेडिट इंडिया ने देखा कि भारत में महिलाएं टेक्नॉलॉजी को तेज़ी-से अपना रही हैं और देश के फ़ाइनैंशियल ईको-सिस्टम में सक्रिय भागीदार बन रही हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि जब मोबाइल ऐप जैसे ऑनलाइन माध्यमों से क्रेडिट को ऐक्सेस करने की बात आती है, तो उधार लेने वाली महिलाएँ (31%) पुरुषों (32%) के बराबर होती हैं। इसके अतिरिक्त, 2023 में जवाब देने वाली 59% महिलाएँ सुविधा और ऐक्सेसिबिलिटी के लिए एक शक्तिशाली वरीयता पेश करते हुए मोबाइल ऐप से ऑनलाइन प्लैटफ़ॉर्मों के ज़रिए लोन प्रोसेस

मार्गदर्शन की ज़रूरत होती है। सर्वेक्षण के अनुसार, उधार लेने वाली महिलाओं ने इंटरनेट बैंकिंग (38%) की तुलना में मोबाइल बैंकिंग (47%) को प्राथमिकता दी और 50% ने बताया कि को पूरा करना पसंद करती हैं। 2022 में, महिलाओं के बीच डिजिटल लोन की वरीयता 49% थी।

सर्वेक्षण में फ़ाइनैंशियल सर्विसेस के डिजिटलाइज़ेशन की बढ़ती स्वीकृति को भी रेखांकित किया गया है। उधार लेने वाली महिलाएँ आज मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, पेमेंट वॉलेट और ऑनलाइन खरीदारी के साथ बहुत सहज और आसान हो गई हैं; और इसके लिए अतीत की तुलना में काफ़ी कम चैटबॉट सर्विसेस का इस्तेमाल करना आसान था।

डिजिटल ट्रांज़िशन के अनुरूप, उधार लेने वाली 73% महिलाओं ने ऑफ़लाइन चैनलों की तुलना में ऑनलाइन लोन को ज़्यादा सुविधाजनक माना है। वॉट्सऐप लोन के लिए नए डिजिटल चैनल के रूप में उभरा है, जिसमें उधार लेने वाली 45% महिलाओं को वॉट्सऐप पर लोन मेसेज मिले। हालाँकि, उधार लेने वाली सिर्फ़ 23% महिलाओं ने वॉट्सऐप पर मिलने वाले लोन ऑफ़र्स को भरोसेमंद माना।

सर्वेक्षण से पता चलता है कि ईको-सिस्टम में डिजिटल उधार देने वाली कंपनियों की बढ़ती संख्या के कारण 50% से ज़्यादा महिलाएँ फ़िनटेक के विकास के बारे में आशावादी थीं। डिजिटल साक्षरता के मामले में, शहरी और ग्रामीण महिलाएँ पहले से कहीं ज़्यादा फ़ाइनैंशियल पाठ और प्रबंधन मार्गदर्शन की तलाश कर रही हैं। उधार लेने वाली 32% महिलाओं ने कहा कि वे चाहती हैं कि कोई प्रतिष्ठित संगठन उन्हें इंटरनेट पर फ़ाइनैंस से संबंधित कामों के बारे में शिक्षित करे।

उधार लेने वाली महिलाओं के बीच एक प्रमुख चिंता लोन कंपनियों की ओर से व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल करना थी। जब डेटा प्राइवेसी से संबंधित मामलों की बात आती है, तो उधार लेने वाली 44% महिलाएं उधार देने वाले ऐप्स की ओर से जमा किए जा रहे अपने पर्सनल डेटा के बारे में ज़्यादा चिंतित थीं। सर्वेक्षण से आगे यह इशारा मिलता है कि उधार लेने वाली सिर्फ़ 21% महिलाएँ डेटा प्राइवेसी के नियम समझती हैं और 46% महिलाओं ने अपने पर्सनल डेटा के इस्तेमाल पर ऐप्स/कंपनियों की ओर से ट्रांसपरेंट कम्युनिकेशन की ज़रूरत महसूस की।

विश्वास और प्रार्थना हमें टूटने नहीं देते

विश्व की सभी मुख्य धार्मिक परंपराएं व्यक्ति को खुश रहने के समान अवसर प्रदान करती हैं। इन धार्मिक परंपराओं द्वारा विकसित विश्वास की शक्ति लाखों लोगों के जीवन में गुंथी हुई है। उसी गहन धार्मिक विश्वास की मदद से असंख्य लोग कठिन परिस्थितियों में जीवित रह पाए हैं। कभी-कभी यह विश्वास छोटे और शांत तरीके से काम करता है और कभी-कभी यह बहुत गहरे परिवर्तन लाता है। हम सभी लोगों ने अपने जीवनकाल में कभी-न-कभी, निश्चित तौर पर, अपने किसी परिवार के सदस्य, मित्र या परिचित पर इस शक्ति को महसूस किया है। कई बार, आस्था और विश्वास के ऐसे उदाहरण अखबार के मुख्य पृष्ठ पर भी नजर आते हैं। बहुत-से लोग एक आम इनसान टेरी ऐंडरसन से परिचित हैं, जिसका 1985 में अचानक एक दिन सुबह बेरुत की एक सड़क से अपहरण कर लिया गया था। उसे अत्यंत कठिन परिस्थितियों में रखा जाता था। जब अंत में उसे छोड़ा गया तो पूरे विश्व ने उसे देखा। वह व्यक्ति अपने परिवार से मिलकर बहुत खुश हुआ लेकिन हैरानी की बात यह थी कि उसके मन में अपने अपहरणकर्ताओं के लिए जरा भी कटुता या घृणा नहीं थी। जब पत्रकारों ने उसकी जबर्दस्त ताकत का कारण पूछा, तो उसने बताया कि विश्वास एवं प्रार्थना के बल पर ही उसने उस पीड़ा को सहन किया।

संसार में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं, जहां धार्मिक विश्वास ने कष्ट के समय लोगों की सहायता की है। व्यापक सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि धार्मिक विश्वास व्यक्ति को खुश रहने में बहुत योगदान देता है।

कभी-कभी मजबूत धार्मिक विश्वास के लाभ किसी विशिष्ट परंपरा के खास सिद्धांतों और मतों के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में नजर आते हैं। उदाहरण के लिए, अनेक बौद्धधर्मियों को कर्म सिद्धांत में दृढ़ विश्वास के चलते पीड़ा को सहन करने में मदद मिलती है। इसी तरह ईश्वर में आस्था रखने वाले लोग, अपने सर्वव्यापी ईश्वर, जिसकी योजना अभी हमसे छिपी हो सकती है, लेकिन इसके बावजूद अंत में इसी विश्वास के सहारे जीवन में आए भयंकर कष्ट सहन कर लेते हैं। बाइबल की शिक्षा के सहारे, वे अपने रोमन्स 828 जैसे छंदों में सुकून प्राप्त करते हैं, जिसमें लिखा है 'जो लोग ईश्वर से प्रेम करते हैं, जो उसके उद्देश्य में आस्था रखते हैं, उनके लिए सब कुछ अच्छा होता है।'

दृढ़ धार्मिक विश्वास से व्यक्ति को अपना उद्देश्य समझ आता है, जो जीवन को अर्थ प्रदान करता है। यह विश्वास कठिनाई, पीड़ा और मृत्यु के समय में, व्यक्ति को आशा बंधाता है। इससे शाश्वत दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता मिलती है।

खूबसूरती को बढ़ाने के अलावा गहने पहनने के होते हैं ये धार्मिक और वैज्ञानिक लाभ

सदियों से ही महिलाएं अपने सौंदर्य को बढ़ाने के लिए तरह तरह के आभूषणों को धारण करती रहीं हैं. इन आभूषणों को लेकर महिलाओं में हमेशा एक आकर्षण रहा है जो आज भी बरकरार है. महिलाएं जो आभूषण अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए पहनती हैं उनका धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों तरह से काफी महत्व माना जाता है. आइए जानते हैं महिलाओं के द्वारा पहने जाने वाले आभूषणों का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

कंगन और चूड़ियां

16 श्रृंगार में चूड़ियां बहुत खास होती हैं. चूड़ियों के बिना सुहागन का श्रृंगार अधूरा माना जाता है. मान्यताओं के अनुसार चूड़ियां सौभाग्य की प्रतीक मानी जाती हैं. चूड़ियों का संबंध चंद्रमा से माना जाता है. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ,सोने की चूड़ियां शरीर में रक्त संचार को नियमित करती हैं और ब्लड प्रेशर ठीक रखने में भी सहायक होती हैं.

कानों के इयररिंग्स या कर्णफूल

सभी लड़कियां और महिलाएं कानों में सुंदर सुंदर कर्णफूल या इयररिंग पहनती हैं जो उनके सौंदर्य में चार चांद लगा देते हैं. कर्णफूल को इस सीख का प्रतीक माना जाता है कि विवाह के बाद महिलाओं को किसी की भी बुराई करने और सुनने से दूर रहना चाहिए. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, कहा जाता है कि कान के बाहरी हिस्से में कई एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं. इन एक्यूप्रेशर पॉइंट पर इयररिंग के दबाव से किडनी और ब्लैडर स्वस्थ रहते हैं और महिलाओं के प्रजनन चक्र में सुधार करने में मदद करता है. सोने की इयररिंग्स पहनने से उत्तेजनाओं के प्रति सक्रियता और सतर्कता में भी सुधार होता है.

नाक की लौंग और नथ

विवाह और अन्य त्योहारों आदि के अवसर पर महिलाएं नथ पहनती हैं. मान्यता है कि सुहागिन स्त्री के नथ पहनने से पति का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में समृद्धि आती है. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, नथ पहनने का सीधा संबंध महिला के गर्भाशय से होता है. सोने की बाली या लौंग पहनने से प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय होने वाली परेशानियों को भी कम करता है.

मंगलसूत्र या हार

मंगलसूत्र पति-पत्नी के प्रेम और महिला के सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. मान्यता है कि मंगलसूत्र या हार सकारात्मक ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित करते हैं और दिमाग व मन को शांत रखते हैं. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, माना जाता है कि गले के आस पास कई तंत्रिका चैनल मौजूद होते हैं जो सोने के हार के घर्षण से शरीर में रक्त संचार को नियमित करने में मदद करते हैं.

बिछिया या चुटकी

ज्यादातर विवाहित महिलाएं पैरों की उंगलियों में बिछिया या चुटकी पहनती हैं. मान्यता है कि बिछिया पहनने से महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में संपन्नता बनी रहती है. वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, पैर की दूसरी उंगली में मौजूद नसें गर्भाशय से होते हुए हृदय तक जाती हैं. बिछिया या चुटकी पहनने से प्रजनन चक्र में सुधार होता है और महिलाओं का ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है.

विद्यालयों में अनफिट वाहनों को फिटनेस के बगैर सड़कों पर न उतरने दें : डीएम

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम ने दिए खास निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को 50 प्रतिशत तक कम करने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में भी कमी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने 'नो हेल्मेट, नो फ्यूल' को कडाई से लागू करने, व बिना हेलमेट , सीटबेल्ट के सरकारी, गैर सरकारी आफिसों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों सहित विभिन् संस्थानों मे प्रवेश को रोकने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस , अथॉरिटी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उनके द्वारा जनपद में बस, टेंपो एवं टैक्सी स्टैंड के निर्माण के लिए गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए स्थलों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अवैध स्टैंड, अतिक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही जनपद में ब्लैक स्पॉट को कम करने की दिशा में अपनी-अपनी कार्यवाही करें।

उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जनपद के समस्त विद्यालयों में विद्यालय सड़क सुरक्षा समिति के तहत स्कूलों में अभियान चलाकर स्कूल वाहनों की फिटनेस व चालकों की आंख व स्वास्थ्य जांच अवश्य करा ली जाए एवं यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना फिटनेस के स्कूली बस सड़कों पर न उतर पाए।

जिलाधिकारी ने मार्गों में घूमने वाले आवारा पशुओं पर रोक लगाने तथा परिवहन विभाग को अनाधिकृत वाहनों को बंद करने के लिए डंपिंग यार्ड निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे , सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पांडेय, यात्री कर अधिकारी के जी संजय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, शुभम सारस्वत, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नोयडा ,अमर सिह पुलिस निरक्षक, जिला आपूर्ति , नोयडा, ग्रेटर नोयडा, प्राधिकरण व अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों और बस /ट्रक यूनियन व गैर सरकारी संगठनों के द्वारा हिस्सा लिया गया।

बिना हेलमेट फैक्ट्री आने वालों की नो एंट्री

नोएडा में बिना हेलमेट पहनकर फैक्ट्री आने वाले कर्मचारियों पर अब एक्शन लिया जाएगा। नोएडा में उद्योगों से जुड़े दो बड़े संगठनों ने यह अहम फैसला लिया है। सड़क सुरक्षा को लेकर किए गए इस फैसले की पूरे जिले में तारीफहो रही है। उद्यमियों के संगठनों ने फैसला लिया है कि बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन से आने वाले कर्मचारियों की फैक्ट्री में एंट्री रोकी जाएगी और वेतन काटा जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नोएडा के सबसे पुराने औद्योगिक संगठन नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) ने शासन प्रशासन के साथ कदम ताल कर लिया है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में संगठन से जुड़े 3600 फैक्ट्री-कंपनी को सर्कुलर जारी कर दिया है, कहा है कि बिना हेलमेट काम पर आने वाले लोगों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए और उनका वेतन काटा जाए।

एनईए द्वारा दिए गए सर्कुलर में कहा गया है कि उन्हें हेलमेट लगाने पर बाध्य किया जाए, यदि उनके साथ पीछे की सीट पर भी कोई बैठकर आता जाता है, तो उससे भी हेलमेट का प्रयोग कराया जाए। यदि वह न माने तो उनका एक दिन का वेतन काट लिया जाए। नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने बताया कि कारोबारियों को पत्र जारी कर अवगत कराया गया है कि दोपहिया से आने वाले अधिकांश लोग हेलमेट लगाकर इकाइयों में नहीं पहुंचते हैं।

अब एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने भी ऐसा ही फैसला लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नाहटा व महामंत्री शिव कुमार राणा ने बताया कि उप्र सरकार द्वारा दोपहिया चालकों की जान माल की सुक्षा के लिए विशेष अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। संस्था प्रदेश सरकार को यह संदेश देना चाहती है कि एमएसएमई (लघु एवं सूक्ष्म इकाईयों) में काम करने वाले कर्मचारी मजदूर व मालिक जो दोपहिया वाहन पर चलते हैं वह बिना हेलमेट पहने ना चलें और ना फैक्ट्रियों में आएं। बिना हेलमेट पहने आने वालों का फैक्टरी में प्रवेश निषेध किया जाए।

अधिवक्ताओं ने जलाई बिल की प्रतियां

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि जब तक यह काला कानून वापिस नहीं होगा अधिवक्ताओं का यह संघर्ष जारी रहेगा और सरकार की दमनकारी नीति है, जिससे अधिवक्ताओं को गुलाम बनाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इस दमनकारी अधिनियम का हम पूरे देश के अधिवक्ता पुरजोर विरोध करते रहेंगे, जब तक कि इस अधिनियम में बदलाव नहीं हो जाता है और भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर आन्दोलन को तेज किया जायेगा, जब तक काला अधिनियम संशोधित बिल पूण रूप से रद्द नहीं होगा, तब तक अधिवक्ताओं का इस दमनकारी बिल के विरूद्ध आन्दोलन जारी रहेगा।

भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन विल 2025 के प्राविधान अधिवक्ताओं के संवैधानिक व मौलिक अधिकारों के विपरीत प्रस्तावित किया गया है, जो कि भविष्य में अधिवक्ताओं की एकता एवं अखण्डता को खण्डित करने एवं दमन करने के आशय को प्रदर्शित करता है। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोशिएशन गौतमबुद्धनगर के हितों के विपरीत है, का मुखररूप से असहमति व्यक्त करते हुए विरोध किया गया तथा विरोध स्वरूप अधिवक्ता अधिनियम के संशोधित विल 2025 की प्रति पुतले के साथ दहन की तथा समस्त अधिवक्ता असहयोग आन्दोलन के रूप में पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहे।

इस मौके पर मुख्य रूप से अजीत नागर सचिव, नीरज भाटी, पवन भाटी, नीरज चौहान, विशाल नागर, श्याम सिंह भाटी, प्रमोद शर्मा, अजय यादव, नौशाद अली, हेमन्त राघव, आदेश बंसल, नीरज सुनपुरा, अरुण भाटी, कुंवर शेरशाह, रामकुमार चौधरी, अनिल भाटी, राजकुमार गौतम, अरुण नागर, सुशील शर्मा एवं अन्य हजारों अधिवक्ता मौजूद रहे।

मंथन गोष्ठी आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चैप्टर कार्यालय के सभागार में मंथन गोष्ठी आहूत हुई। जिसमें अतिथि अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे (CFO) एवं श्रीमती अनामिका (CFO) मौजूद रहे। चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल ने दोनों अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

प्रदीप चौबे ने सभी से अपने अपने उद्यम व आस पास के उद्यमों में आगजनक रसायनों के प्रयोग रखरखाव आदि पर उन्हें अग्निशमन व्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने बताया कि IGL की गैस के किसी भी रिसाव या आगजनी की सूचना तुरंत ही IGL के नम्बर पर 8448588602 करें जिससे आपूर्ति को तुरंत बंद किया जा सके, तभी अग्निशमन विभाग उस आग पर नियंत्रण कर पाएगा।

श्रीमती अनामिका ने वन विभाग की जरूरी प्रक्रिया पर विस्तार से बताया। परिसर के अंदर अवरोध बन रहे किसी भी वृक्ष को निरीक्षण के बाद अनुमति लेकर ही हटाएं व परिसर के बाहर के वृक्ष को हटाने के लिए संबंधित प्राधिकरण की और से आवेदन करने पर संस्तुति दे दे जाएगी। चेयरमैन राकेश बंसल ने सभी उपस्थित व्यक्तियों का आभार जताया।

गोष्ठी में राकेश बंसल, विशारद गौतम, सरबजीत सिंह, जे एस राणा, अमित शर्मा आदि 50 अधिक सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ऑनलाइन ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यॉंत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रम सं. : 1, **ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण : टेण्डर नं. - "44-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2024-25"** "एडवांस्ड मैकेनाइज्ड क्लीनिंग एंड सरफेस ट्रीटमेंट आफ अंडर गियर आफ कोचेज (एसी एंड नान एसी) यूजिंग स्पेशल परपज मशीन इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर", **अनुमानित लागत :** रु. 4,85,09,409.60, **धरोहर राशि :** रु. 3,92,600/-, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि :** 17.03.2025 11.00 बजे, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. शून्य, **संविदा की अवधि :** 01 वर्ष।

उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या http://www.ireps.gov.in पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./कार्य, यांत्रिक कारखाना
मुजाधि/यांत्रिक-125 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

गोरखपुर से सीएम योगी ने की मॉनीटरिंग

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भी सुबह से ही एक्टिव नजर आए। बीते सभी अमृत स्नान और स्नान पर्व की तरह मुख्यमंत्री सुबह तड़के 4 बजे से ही व्यवस्थाओं को देखने के लिए कंट्रोल रूम पहुंच गए। गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही कंट्रोल रूम स्थापित किया गया, जहां वह स्नान पर्व पर पल-पल की मॉनीटरिंग करते नजर आए।

सुनील खारी बने राष्ट्रीय मंत्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा ने योगी सेवा फाउंडेशन के चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील खारी को महासभा का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री बनने पर सुनील खारी ने युवा गुर्जर महासभा के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि महासभा ने जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। बताते चलें कि सुनील खारी गत कई वर्षों से भाजपा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वहीं, योगी सेवा फाउंडेशन के माध्यम से वे गरीबों की भी सहायता करते रहते हैं।

किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज न करें अधिकारी : योगेश वैष्णव

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के जिला अध्यक्ष योगेश वैष्णव ने कहा है कि किसानों की समस्याओं का समाधान करना यूनियन की पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने आज महाशिवरात्रि के अवसर पर सभी देशों एवं प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन हिंदू सनातन धर्म के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हिंदू समाज एवं सनातन समाज के लिए विशेष लाभदायक है। उन्होंने सभी को इस अवसर पर बधाई दी।

जिला अध्यक्ष योगेश वैष्णव ने कहा है कि भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का एक-एक कार्यकर्ता किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अन्याय करने वाले अधिकारियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी किसानों की बात को लेकर अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान कराने का काम करते हैं।

कार्यालय - अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड, गौतमबुद्धनगर।

पत्रांक:-1718 /ग्रा0अ0वि0/ निविदा/2024-25 दिनांक- 10/02/2025

निविदा सूचना संख्या-14

1- महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर द्वारा निम्नलिखित कार्यों की प्रतिशत दर पर निविदा धन की प्रत्याशा में आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों के लिये ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में क्लास "ए, बी, सी व डी" मार्ग/भवन श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार ही निविदा डालने योग्य होंगे। निविदादाता किसी एक अथवा समस्त कार्य की निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र के क्लॉज सं0-3 में अंकित न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तों का भली-भाँति अध्ययन कर लें।

2- कार्य का विवरण निम्नवत है-

क्र. सं.	कार्य का नाम	निर्माण लागत जीएसटी सहित (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में) 2% EMD	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	4	5	6	7
1	जनपद गौतमबुद्धनगर के कलेक्ट्रेट परिषर स्थित कोषागार कार्यालय में शौचायल का निर्माण कार्य।	8.04	0.17	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
2	ग्राम सिदीपुर ब्लॉक बिसरख में महावीर राघव के मकान से मूलचन्द शर्मा के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	8.00	0.16	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
3	नोएडा के चोटपुर कॉलोनी में जयवीर के घर से हनुमान मन्दिर की ओर इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	8.58	0.18	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
4	नोएडा में शर्मा ट्रेडर्स चोटपुर कालोनी सैक्टर 63 में कैलाश राय के घर होते हुए पंकज की घर की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण का कार्य।	9.98	0.20	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
5	दादरी के ग्राम जारचा में सुन्दर के मकान से लेकर सोनू के घर की ओर इण्टरलाकिंग व नाली का कार्य।	9.98	0.20	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
6	ग्राम जहॉगीरपुर देहात नंगलिया ब्लॉक जेवर मे मुख्य मार्ग से जाहरवीर मंदिर तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	9.53	0.20	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
7	ग्राम जहॉगीरपुर चक्र ब्लॉक जेवर में राजेन्द्र के मकान से प्रदीप गहलौत की टयूबवेल तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	9.60	0.20	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
8	ग्राम दुजाना ब्लॉक बिसरख में अनिल के शैड से दुजाना पब्लिक सैकेन्डी स्कूल के मुख्य द्वार तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	9.90	0.20	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह
9	ग्राम सलारपुर कलॉ में अभ्युदय केन्द्र में मरम्मत कार्य।	8.07	0.17	225+18% GST+500 (S.Charge) 766.00	3 माह

3- निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक दिनांक 28.02.2025 से दिनांक 04.03.2025 तक प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता, के कार्यालय में दिनांक 05.03.2025 को 12.00 बजे तक जमा की जा सकती है जिनको दिनांक 05.03.2025 को 12.30 बजे अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में बिड खोली जायगी।

4- इच्छुक निविदादाता अधिक जानकारी कार्य से संबंधित कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

www.upidadv.up.gov.in
Upid-229677 Dt. 20/02/2025

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

योगी ने किया...

रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद सीएम योगी ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण के लिए आदियोगी महादेव से प्रार्थना की।

ऊँ नमः शिवाय के...

सेक्टर-11 के प्राचीन वोडा महादेव मंदिर में सुबह से ही सैकड़ों लोगों ने पूजा-अर्चना की तथा भगवान शिव को जलाभिषेक किया। दिन भर मंदिरों में ऊँ नमः शिवाय का जयघोष चल रहा था तथा कीर्तन व भजन चल रहे थे। शाम को कई मंदिरों में संकीर्तन भी है।

जारचा में कुत्तों...

जारचा निवासी अफसर अली ने बताया कि कुत्ते व बंदर दुआ, हैदर, निशा, अंजलि, प्रियंका, कैफी बच्चों को अपना शिकार बना चुके हैं। सभी बच्चे 5-7 वर्ष के हैं।

ग्रामीणों ने इस समस्या के समाधान के लिए फॉरेस्ट विभाग, मुख्यमंत्री पोर्टल, एसडीएम कार्यालय, थाना और ग्राम प्रधान सहित सभी संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्राम जारचा के निवासियों की मांग है कि प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप करे और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

भाड़े के हत्यारे को...

ग्राम संतोषपुर बाघू थाना कोतवाली बागपत जनपद बागपत (21 वर्ष) के रूप में हुयी। घायल अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर मय 01 जिन्दा व 01 खोखा कारतूस .315 बोर तथा मृतक मंजीत का पर्स जिसमे मृतक का आधार कार्ड, पैन कार्ड व ड्राईविंग लाईसेन्स व पेशगी के 20,000/- रूपये बरामद हुए है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वसील अहमद को शादी की साल गिरह पर बधाई।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग कश्यप, सिनेमा को लेकर की अपने मन की बात

अनुराग कश्यप ने सिनेमा के प्रति को दिखाया है। निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि जब चीजें खराब हो जाती हैं, तो वे खुद को याद दिलाते हैं कि वे कहां से आए हैं। अनुराग ने यह भी कहा कि उनके पास आज इंडस्ट्री में काम कर रहे, कई स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की तुलना में अधिक विशेषाधिकार हैं और यही वह चीज है जिस पर वे अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बजाय ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग

फोर्ब्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इन दिनों दर्शक बड़े बजट की फिल्मों को देखना पसंद करते हैं, इस बीच वे स्ट्रीमिंग पर आने वाली छोटी फिल्मों का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भविष्य की ओर देखना बंद कर दिया है। अब मैं उन चीजों पर बात करना चाहता हूं, जिस पर बात करना लोगों ने बंद कर दिया है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था क्योंकि मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है।

सिनेमा से है बेहद प्यार

अनुराग कश्यप ने कहा कि मैं घर पर जो रुकावटें आती हैं, उसके कारण घर पर फिल्में देखना पसंद नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे सिनेमा में ही फिल्म देखने में मजा आता है। अनुराग कश्यप ने कहा, क्या होगा अगर सब कुछ खराब हो जाए। अगर मेरा सारा काम गलत हो जाए। मैं जहां से आया हूं, वहीं चला जाऊंगा। मैं सिनेमा से बहुत प्यार करता हूं।

निर्माताओं के साथ होती है तुलना

अन्य निर्माताओं के साथ तुलना किए जाने पर अनुराग बसु ने कहा कि मेरी अन्य निर्देशकों के साथ तुलना क्यों की जाती है। मुझे एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता क्यों नहीं माना जाता। बता दें कि निर्माता अनुराग कश्यप की कन्नड़ फिल्म टाइगर्स पॉन्ड बर्निल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई।

नरगिस फाखरी ने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से की गुपचुप शादी!

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में गुपचुप तरीके से शादी की। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अब यह कपल स्विट्जरलैंड में अपना हनीमून मना रहा है। हालांकि, नरगिस ने अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। रेडिट पर नरगिस फाखरी और टोनी बेग की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। इसमें उनका वेडिंग केक दिखाई दे रहा है, जिस पर हैप्पी मैरिज लिखा हुआ है। साथ ही दोनों के साइन भी किए गए हैं।

कौन हैं टोनी बेग

टोनी बेग कश्मीर के रहने वाले एक बिजनेसमैन हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरगिस और टोनी 2022 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। नरगिस ने शेयर कीं स्विट्जरलैंड की फोटोज नरगिस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्विट्जरलैंड की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस टोनी की स्टोरीज भी री-शेयर कर रही हैं। इस वजह से सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि दोनों ने वास्तव में शादी कर ली है और अब वे हनीमून मना रहे हैं।

उदय चोपड़ा को कर चुकी हैं डेट

उदय चोपड़ा ने साल 2013 में नरगिस फाखरी को डेट करना शुरू किया था। एक-दूसरे को पांच साल तक डेट करने के बाद, दोनों ने 2017 में ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि, एक इंटरव्यू में उदय के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए नरगिस ने कहा था, उदय और मैंने 5 साल तक डेट किया और वह भारत में मुझे मिले सबसे खूबसूरत इंसान थे। मैंने मीडिया के सामने यह कभी नहीं कहा क्योंकि लोगों ने मुझे अपने रिश्ते को छिपाकर रखने के लिए कहा था, लेकिन मुझे इसका अफसोस है।

इन फिल्मों में काम कर चुकीं नरगिस

मॉडलिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाने के बाद नरगिस ने 2011 में फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद नरगिस फिल्म मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, अजहर, हाउसफुल 3 और अमावस जैसी फिल्मों में नजर आईं।

तीन मिनट के रोल के लिए वसूले करोड़ों?

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी का रोल बहुत बड़ा नहीं है। मगर, शुरुआत से उन्होंने इस तरह का माहौल बनाकर रखा कि जैसे वे फिल्म की लीड अदाकारा हैं। इसे लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर उर्वशी इस फिल्म में अपनी फीस को लेकर चर्चा में आ गई हैं। फिल्म में उर्वशी का रोल महज तीन मिनट का रहा है। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इसके लिए उन्हें अच्छा-खासा भुगतान किया गया है।

तीन मिनट का रोल और फीस इतने करोड़

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी रौतेला की फीस को लेकर अटकलें लगी हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री को अपने करीब तीन मिनट के रोल के लिए तीन करोड़ रुपये फीस दी गई है। यानी एक मिनट के लिए एक करोड़ रुपये। हालांकि, खबरों में किए जा रहे दावों की अभी उर्वशी या किसी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इस गाने से बटोरी चर्चा

उवर्शी ने फिल्म डाकू महाराज के दाबिड़ी-दीबिड़ी गाने से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसमें वे नंदमुरी बालकृष्ण के साथ नजर आईं। गाने में उर्वशी के डांस मूव्स पर भी काफी विवाद हुआ। 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई डाकू महाराज आज 21 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

आयुष्मान के साथ पर्दे पर जमेगी शरवरी वाघ की जोड़ी

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सूरज बड़जात्या को परिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है।

इस वजह से किया गया कास्ट

निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया।

पहली बार जमेगी जोड़ी

दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

मोहनलाल ने कंफर्म की दृश्यम 3

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जल्द ही दृश्यम फेंचाइजी के अगले भाग में नजर आने वाले हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया के जरिए दी है। मोहनलाल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा, अतीत कभी शांत नहीं रहता। दृश्यम 3 कंफर्म। इस एलान के बाद फैंस का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। लोग सोशल मीडिया पर कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्लासिक क्रिमिनल वापस आ रहा है। एक और यूजर ने लिखा, इस फिल्म के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। इसके अलावा और भी यूजर्स कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का रोल

राजकुमार राव जल्द ही अपकमिंग बायोपिक फिल्म में पूर्व भारतीय क्रिकेट कैप्टन सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। काफी समय से हीरो को लेकर चर्चा हो रही थी कि ऑन-स्क्रीन सौरव की भूमिका में कौन नजर आएगा। अब खुद क्रिकेटर ने अनाउंस किया है कि बड़े पर्दे पर उनकी भूमिका राजकुमार राव अदा करेंगे। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, 'जो मैंने सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव लीड रोल निभाएंगे, लेकिन डेट को लेकर इश्यू है। इसलिए इस बायोपिक फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने में एक साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।' यह बायोपिक फिल्म फिलहाल शूटिंग के स्टार्टिंग फेज में है। लेकिन इसकी अनाउंसमेंट के बाद से एक्टर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि मेकर्स ने फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। फिल्म के नाम और अन्य कलाकारों का नाम भी अभी नहीं बताया गया है।

मुश्किल वक्त मूव ऑन करने में यकीन करता हूं

बीते लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रहने वाले अर्जुन कपूर इन दिनों खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी को लेकर। अपनी पिछली फिल्म सिंघम अगेन में वे एक नेगेटिव किरदार में दिखे थे, मगर अब वे थिएटर में रोम-कॉम रूप में नजर आएंगे। इस मुलाकात में वे शादी, अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव, सफर और अतीत को याद करते हैं।बीते लंबे समय से फिल्में थिएटर में वो जलवा नहीं दिखा पा रही हैं। मगर अर्जुन इस मामले में प्रेशर फील नहीं करते। वे कहते हैं, प्रेशर लेने से क्या होगा? हम अदाकार हैं। हमारा काम अभिनय करना है। आज का दर्शक बहुत समझदार हो गया है। इस सचाई को स्वीकारना होगा कि फिल्म अच्छी होगी तो चलेगी।

मेरे वैल्यूज आज भी जस के तस हैं

आज से तकरीबन 13 साल पहले अर्जुन कपूर ने इश्कज़ादे से फिल्मों में एंट्री की थी। तब से लेकर अब तक के अपने सफर के बारे में वे कहते हैं, इश्कजादे में आपने जिस मासूम और वल्नरेबल लड़के को देखा था, वही वल्नरेबिलिटी आज भी है। दौर बदल गया है, चीजें बदल गई हैं, मगर मेरे कोर वैल्यू जस के तस हैं। मेरे माता-पिता और परिवार ने जो कुछ सिखाया है। मैं आज भी वही हूं। दस-बारह सालों में मेरी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए, मगर मैं अटल रहा हूं। मैंने अपने काम से जवाब दिया, उन लोगों को जिन लोगों ने मुझ पर सवाल उठाए। मैं लगातार अपना काम करता गया। इश्कजादे, टू स्टेट, की एंड का, संदीप और पिंकी फरार, मुबारका जैसी फिल्मों से मैं ऑडियंस का प्यार पाता गया। मगर सिंघम अगेन में मुझे दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार मिला है, तो वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। अब मुझे अपनी इस नई फिल्म से बहुत उम्मीद है। मैं कह सकता हूं कि मेरा सफर शानदार रहा और आज मैं जो कुछ हूं, इसमें मेरी यात्रा का बहुत बाद योगदान रहा है।

शादी आज भी हमारे समाज में अहम है

अर्जुन की ताजा-तरीन फिल्म शादी -ब्याह पर आधारित है। असल जिंदगी में वे शादी के बारे में कहते हैं, हम जिस देश में पले-बढ़े हैं। उसकी सभ्यता और विचारधारा को समझना बहुत जरूरी है। उसमें शादी एक अहम भूमिका अदा करता है। ऐसे में आपके बड़े-बूढ़े चाहते हैं कि आप शादी करके खुश रहें, स्थायी हो जाएं, आपको भागदौड़ भरी जिंदगी में एक संतुलन मिले। आप जब घर लौटें, तो घर पर एक आधार पाएं। मैं इस विचारधारा से सहमत हूं कि आपकी एक रिलेशनशिप हो जो शादी में तब्दील हो। मगर अब बात बदल गई है। पहले आप दो लोग एक समय में शादी करके एक साथ अपनी जिंदगी बनाते थे, मगर अब ऐसा हो गया है कि पहले जब आप अपनी जिंदगी संभाल पाएंगे, उसी के बाद किसी को अपने जीवन में ला पाएंगे। आज शादी में स्टेबिलिटी पहले देखी जाती है, मगर इसके बावजूद यही कहूंगा कि शादी आज भी हमारे समाज में बहुत मजबूत है।

जिस फिल्म में असिस्टेंट था, आज उसी के पार्ट 2 हीरो हूं

फिल्म परिवार के होने के साथ-साथ वे 16 साल की उम्र में सहायक निर्देशक भी रहे। वे कहते हैं, देखिए मैं सिनेमा के बैकग्राउंड से हूं। घर पर खाना परोसा जाता तो सिनेमा के साथ साथ ही बात शुरू होती है और सिनेमा के साथ ही बात खत्म होती है। मगर यदि आपको सिनेमा के क्षेत्र में कुछ करना है, तो कुरुक्षेत्र में तो उतरना ही पड़ेगा। मैं उतर पड़ा सहायक निर्देशक के रूप में। मैंने कल हो न हो से असिस्टेंट डायरेक्टर का काम करना शुरू किया। मैंने सलाम-ए-इश्क और नो एंट्री में असिस्ट किया था और अब जिंदगी ऐसे घूम कर आ गई है कि मैं नो एंट्री 2 में अभिनय करने वाला हूं। क्राफ्ट के प्रति मेरा पैशन के कारण ही मुझे यहां डाला गया कि मैं सिनेमा की बारीकियों को समझ सकूं। फिल्म निर्माण बहुत ही पेचीदा प्रक्रिया है। सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म के एक विचार के साथ पूरा कास्ट और क्रू एक साथ आगे बढ़ता है। लोगो को शोहरत और लोकप्रियता दिखती है, मगर जो एक मेहनत होती है, वो नहीं दिख पाती।

आज की जनरेशन पर सोशल मीडिया का बहुत प्रेशर है

बीते वक्तों में अर्जुन एक तरफ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से गुजरे तो निजी जिंदगी में ब्रेकअप का सामना भी किया। बहुत पहले ही वे अपनी मां को भी गंवा चुके थे। मगर उनका मानना है कि उनकी जिंदगी के उतार-चढ़ावों ने उन्हें मजबूत बनाया। वे कहते हैं, अगर जिंदगी में सबकुछ सुलझ जाए, तो जीवन बहुत बोरिंग हो जाएगा। मेरी जिंदगी में काफी ऊंच-नीच हुई है। आपके साथ जब कुछ बुरा हो रहा होता है, तो आप उसे एक बाधा के रूप में देख कर ये सोच सकते हो कि ऐसा मेरे क्यों हो रहा है? मैंने ऐसा क्या किया? आप हालात या लोगों को दोष दे सकते हैं, जो आम तौर पर होता है और आज की जनरेशन में तो ज्यादा ही होता है, क्योंकि आज सोशल मीडिया का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। आप लोगों की कामयाबी देखते हैं।

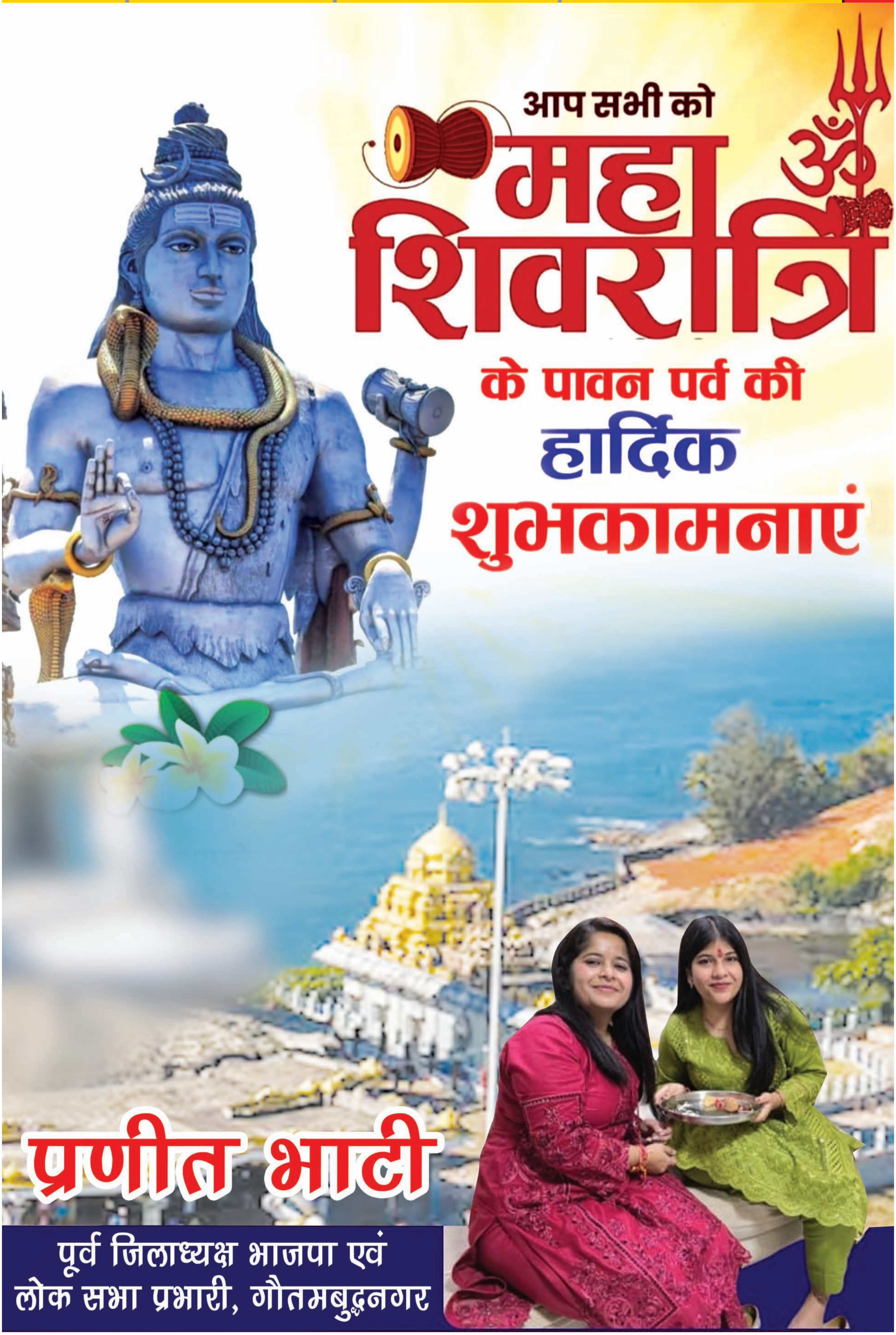

आप सभी को
महा शिवरात्रि
के पावन पर्व की
हार्दिक
शुभकामनाएं
प्रणीत भाटी
पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा एवं
लोक सभा प्रभारी, गौतमबुद्धनगर